अंतर्राष्ट्रीय राजनीति

अंतर्राष्ट्रीय राजनीति

— राष्ट्रों के मध्य पायेजानेवाली राजनीति को अंतर्राष्ट्रीय राजनीति की संज्ञा प्रदान करते है।

विन्सी राइट के अनुसार, राजनीति ऐसी कला है जिसकी सहायता से प्रत्येक समूह दूसरों पर किसी तरह का नियंत्रण रखकर अपने हितों को बढ़ाने के लिए लगातार प्रयत्न करता है। अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में ये समूह राज्य तथा राष्ट्र होते हैं, जिनकी अपनी आवश्यकताएं, इच्छाएं, अभिलाषाएं होते है,

इन्हें राष्ट्रीय हित कहा जाता है जो इनके संवर्द्धन के लिए प्रयत्न करते है, ऐसा करते हुए अन्य राष्ट्रों के साथ इनके अनेक मतभेद तथा विवाद उत्पन्न होते है, इन्हें शांतिपूर्वक रीति से हल न हो सके तो विवाद का समाधान शक्ति द्वारा किया जाता है।

अतः कहा जाता है कि अंतर्राष्ट्रीय राजनीति एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें प्रत्येक राष्ट्र शक्ति के माध्यम से अपने अंतर्राष्ट्रीय संबंधों को इस प्रकार व्यवस्थित करता है कि इससे अधिक से अधिक लाभ हो और उसके राष्ट्रीय हितों की वृद्धि हो।

अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के प्रसंग में राष्ट्र समुदाय है, उनकी आवश्यकताएं और इच्छाएं राष्ट्रीय हित है और राष्ट्रों या हितों के बीच असहमति ही संघर्ष है। परन्तु शक्ति का तत्व यथावत रहता है अर्थात अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में भी शक्ति की वही भूमिका होती है जो राजनीति में होती है। इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के तीन महत्वपूर्ण है:

राष्ट्रीय हित, संघर्ष एवं शक्ति।

Scanned with CamScanner

राष्ट्रीय हित अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति का लक्ष्य है, संघर्ष उसकी प्रकृति है तथा शक्ति उसका साधन है। लेकिन इन तीनों तत्वों में संघर्ष या विवाद ही सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। संघर्ष या विवाद के बिना राष्ट्रीय हित और शक्ति जैसे तत्व महत्वपूर्ण नहीं रह जाता है।

समान उद्देश्य तथा समान हितों वाले राज्य मिलकर अपने हितों की सुरक्षा के लिए संगठन बनाते हैं और शत्रुओं से रक्षा के लिए सन्धियां करते हैं। इस प्रकार अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में सहयोग और संघर्ष की प्रक्रिया साथ-साथ चलती रहती है। संधियों के कारण राष्ट्रों में परस्पर मैत्रीपूर्ण संबंध विकसित होते हैं और संघर्ष शत्रुतापूर्ण संबंधों और युद्धों को जन्म देती है।

वस्तुतः अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति का अध्ययन वास्तव में विवाद और नियंत्रण और सहयोग की स्थापना का अध्ययन है।

परिभाषाएँ :→

स्प्राउट के अनुसार, — "स्वतंत्र राजनीति इकाइयों अर्थात राज्यों के अपने-अपने उद्देश्यों अथवा हितों के आपसी विरोध-प्रतिरोध या संघर्ष से उत्पन्न उनकी क्रिया-प्रतिक्रियाओं और संबंधों का अध्ययन ही अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति है।"

Scanned with CamScanner

जेम्स रोजनाऊ के अनुसार, 'अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति अंतर्राष्ट्रीय संबंधों का एक महत्वपूर्ण उपखण्ड है।

थाम्पसन के अनुसार, "राष्ट्रों के मध्य द्विपक्षी प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ उनके पारस्परिक संबंधों को सुधारने या बिगाड़ने वाली परिस्थितियों और तंत्रों के अध्ययन को अंतर्राष्ट्रीय राजनीति कहते हैं।"

फैलिक्स ग्रास कहते हैं, "अंतर्राष्ट्रीय राजनीति का अध्ययन वास्तव में विदेश नीतियों के अध्ययन के अतिरिक्त कुछ नहीं है।"

मॉरगेन्थाऊ के अनुसार, "अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति राष्ट्रों के बीच निरन्तर होने वाले शक्ति संघर्ष के अतिरिक्त कुछ नहीं है।"

Scanned with CamScanner